वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एमएआरजे 03

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

राजस्थानी साहित्य रो इतिहास

अवधि 3 **घंटे** **अधिकतम अंक** 80

निर्देश: **औ पेपर खंड अ, ब अर स में बट्यौडौ है। खंड 'अ' में साव छोटा सवाल, खंड 'ब' में छोटा सवाल अर खंड 'स' में निबंधात्मक सवाल दियौडा हैं।**

खंड- स

नोट: **नीचै लिख्या प्रश्नां मांय सूं कोई दो प्रश्न करणा है। सबद सीमा** 400 **सूं** 500 **सबद है। हरैक प्रश्न** 16 **अंक रौ है।** **16 × 2 = 32**

प्रश्न 1. **अपभ्रंश रौ अरथ विस्तार माथै चरचा करता थकां अपभ्रंश अर प्राकृत में फरक स्पस्ट समझाऔ।**

अथवा

राजस्थानी भासा री उत्पति नै समझावतां थकां इणरी खास-खास बोलियां अर वांरौ बालीखेतर स्पस्ट करौ।

प्रश्न 2. **नागरी लिपि रौ विकास समझावतां थकां उणरी वैग्यानिकता माथै टीप करौ।**

अथवा

राजस्थानी भासा री विसेसतावां नै उदाहरण साथै समझावौ।

प्रश्न 3. **डिंगळ सबद री उत्पति माथै विद्वानां रा न्यारा-न्यारा मत प्रस्तुत करता थकां डिंगळ अर पिंगळरौ अन्तर स्पस्ट करौ।**

अथवा

आदिकाल रै जुगीन परिवेस रौ खुलासौ करौ।

प्रश्न 4. **आधुनिक राजस्थानी साहित्य माथै विस्तार सूं विवेचना करौ।**

अथवा

टिप्पणी करौ।

(अ) आधुनिक राजस्थानी गद्य लेखन री विसेसतावां

(ब) आधुनिक राजस्थानी काव्य

प्रश्न 5 अपभ्रंश री उत्पति रा कारण बतावतां थकां प्राकृत अर अपभ्रंस रै फरक नै स्पस्ट करौ।

अथवा

राजस्थानी भासा रै उद्भव नै स्पस्ट करतां थकां सिद्ध करौ कै राजस्थानी अेक सुतन्तर भासा है।

प्रश्न 6 राजस्थानी भासा री विसेसतावां नै विस्तार सूं समझावौ।

अथवा

डिंगळ सबद री उत्पति माथै विद्वानां रै मतां नै प्रस्तुत करतां थकां डिंगळ अर पिंगळ रौ अन्तर स्पस्ट करौ

प्रश्न 7 आदिकाल रै जुगीन वातावरण नै बिन्दुवार समझावौ।

अथवा

आदिकाल री खास-खास रचनावां अर रचनाकारां माथै विस्तार सूं विवरौ देवौ।

प्रश्न 8 आधुनिक राजस्थानी साहित्य री जाणकारी विस्तार सूं मांडौ।

अथवा

टीप करौ-

(अ) आधुनिक राजस्थानी गद्य री विसेसतारां

(ब) आधुनिक राजस्थानी काव्य

प्रश्न 9 अपभ्रंशभासा माथै विस्तार सूं विवचेना करौ।

अथवा

राजस्थानी भासा रै उद्भव विकास नै समझावतां थकां खास-खास बोलियां रौ विगतवार वर्ण करौ।

प्रश्न 10 नागरी लिपि माथै विस्तार सूं लिखतां थकां इणरी वैग्यानिकता रौ स्पस्ट खुलासौ करौ।

अथवा

राजस्थानी भासा री व्याकरणगत विसेसतावां नै विस्तार सूं उजागर करौ।

प्रश्न 11 ''आदिकाल री परिस्थितियां घणी अबरवी रैयी।'' इण कथन नै दीठ में राखतां थकां आदिकाल रै जुगीन वातावरण नै विगतवार समझावौ।

अथवा

आदिकालीन राजस्थानी साहित्य माथै प्रमाणिक विवेचना करौ।

प्रश्न 12 **आधुनिक राजस्थानी साहित्य री विविध विधावां में हुयौडै साहित्य सिरजण माथै सांतरौ विवेचन प्रस्तुत करौ।**

अथवा

टीप करौ

(अ) **आधुनिक राजस्थानी निबन्ध**

(ब) **आधुनिक राजस्थानी प्रकृति काव्य**